

# पीपीपी मॉडल पर संवरेंगे 49 बस अड्डे

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। यूपी के 49 बस स्टेशनों को सार्वजनिक-निजी सहभागिता (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। यहां पर एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी। पीपीपी के डीबीएफओटी (डिजाइन, बिल्ट, फाइनेंस, ऑपरेट एंड ट्रांसफर) मॉडल के तहत यहां शॉपिंग मॉल, सिनेमा घर व अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं मिलेंगी। प्रस्ताव पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम के इस द्वितीय चरण में 54 बस स्टेशनों में से 6 अनुपयुक्त बस स्टेशनों को हटाते हुए और चंदौली को शामिल करते हुए 49 बस स्टेशन स्टेशनों को पीपीपी मॉडल

## चार हजार करोड़ का निवेश आने का अनुमान

प्रथम चरण में लखनऊ, कानपुर व आगरा सहित 23 जिलों के बस स्टेशनों को पहले ही स्वीकृति दी जा चुकी है। द्वितीय चरण में 49 बस स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने को हरी झंडी दी गई है। अब आगे बाकी बचे बस स्टेशनों को इसी तरह विकसित किया जाएगा। परियोजना में कुल 4 हजार करोड़ का निवेश आने का प्रस्ताव है।

पर विकसित किया जाएगा। यहां यात्रियों को शॉपिंग मॉल, सिनेमा घर, बेहतर प्रतीक्षालय व अन्य अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। पात्रता की शर्तों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।

## तीन जिलों में बस अड्डे के लिए मुफ्त जमीन



लखनऊ। तीन जिलों में बस स्टेशन बनाने को मुफ्त जमीन हस्तांतरण के प्रस्ताव पर भी कैबिनेट ने हरी झंडी दे दी है। यह बस स्टेशन हाथरस के सिकंदरामऊ, बुलंदशहर के नरौरा और बलरामपुर के तुलसीपुर में बनाए जाएंगे। जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि हाथरस के सिकंदरामऊ और बुलंदशहर के नरौरा में और बलरामपुर में भूमि चिन्हित की गई है। जिसे परिवहन विभाग को मुफ्त हस्तांतरित किया जाएगा।